

25/9/24

संख्या 07/2019 अनवान पुणेरा बनाव सोदारम वरीरान
अधिकारी दिगर घका रीज कर्ता
ने खतत है निरतन हुकम हो र
दिनांक 06/12/24



06/12/24

आदेश

पत्रावली आज पेश हुई। वकील प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण के उपस्थित। उभय पक्षों की बहस सुनी गई। वकील प्रार्थीगण ने निवेदन किया कि प्रार्थीगण ने एक राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 53 व 209 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत किया है जो विचाराधीन है। प्रार्थीगण एवं विप्रार्थी संख्या 01 से 04 स्व. पीराराम के वंशज एवं विधिक वारिश है, जिनकी संयुक्त एवं पैतृक खातेदारी की भूमि मौजा पूनियों की बस्ती, आदर्श चवा तहसील बाड़मेर ग्रामीण के खसरा नम्बर 1182/1096 रकबा 50.07 बीघा, खसरा नम्बर 1237/1156 रकबा 05.00 बीघा एवं खसरा नम्बर 1095 रकबा 0.09 बीघा की प्रार्थीगण एवं विप्रार्थी संख्या 01 से 04 की संयुक्त कब्जा-काश्त की आई हुई है। वादग्रस्त आराजी खसरा नम्बर 1182/1096 एवं 1237/1156 की भूमि प्रार्थीगण एवं विप्रार्थीगण के नाम सही हिस्से अंकित कर दिये गये, परन्तु खसरा नम्बर 1095 रकबा 0.09 बीघा किस्म गै.मु. ढाणी की भूमि भी पैतृक एवं सहदायिकी की होने से प्रार्थीगण का 1/2 हिस्सा खातेदारी का होने के बावजूद नाम अंकित नहीं हो पाया। जबकि वादग्रस्त भूमि पैतृक भूमि होने से प्रार्थीगण का 1/2 हिस्सा खातेदारी अधिकारी बनता है। वर्तमान में मौके पर अप्रार्थीगण प्रार्थीगण को उसके हिस्से पर कब्जे-काश्त में बेदखल करने पर आमादा है तथा




(Handwritten Signature)
 सहायक कलेक्टर
 (फास्ट ट्रेक) बाड़मेर

हकूम कार्यावाही मय इनिशियलस जण
 मौके की स्थिति में परिवर्तन करने पर उत्तारु है।
 विप्रार्थीगण, प्रार्थीगण को उसके कब्जे काश्त से वेदखल करने में
 कामयाब होते है तो प्रार्थीगण को अपूर्णीय क्षति होगी। विप्रार्थीगण
 अस्थाई निषेधाज्ञा वाद के निर्णय तक प्रार्थीगण के पक्ष में तथा
 अप्रार्थीगण के विरुद्ध इस आशय की जारी की जावे कि मौजा
 पूनियों की बस्ती, आदर्श चवा तहसील बाड़मेर ग्रामीण के खसरा
 नम्बर 1095 रकबा 0.09 बीघा भूमि में अप्रार्थीगण मौके व रेकर्ड
 की यथा स्थिति बनाये रखें।


वकील अप्रार्थीगण द्वारा बहस कर निवेदन किया कि
 प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण उनक पूर्व पुरुष पीराराम के चारों लड़के
 वक्त सेटलमेन्ट से अलग होकर निवास करते आ रहे है तथा
 अप्रार्थीगण अपनी अलग ढाणी बनाकर निवासी कर रहे है।
 सेटलमेन्ट के समय सह खातेदारी के खेतों को वर्ष 2004 में ही
 पक्षकारों के मध्य राजीनामा हो गया था, परन्तु खसरा नम्बर
 1095 की भूमि वक्त सेटलमेन्ट से विप्रार्थीगण के पूर्वज हेमाराम
 के नाम की होने से उनके अकेले के नाम राजस्व रेकर्ड में दर्ज
 हुई। खसरा नम्बर 1095 में प्रार्थीगण का कभी भी कब्जा काश्त
 नहीं होने से प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थीगण के पक्ष में नहीं होने
 से अस्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने के अधिकारी नहीं है। लिहाजा
 प्रार्थीगण का आवेदन पत्र मय खर्चा खारीज फरमावें।

उभय पक्षों को सुना गया। पत्रावली का अवलोकन किया
 गया तथा पत्रावली के संलग्न दस्तावेज का भी गंभीरता पूर्वक
 अवलोकन किया गया। संलग्न दस्तावेज एवं प्रार्थना- पत्रों के
 अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रार्थीगण एवं विप्रार्थी संख्या 01 से 04
 स्व. पीराराम के वंशज एवं विधिक वारिश है, जिनकी संयुक्त एवं
 पैतृक खातेदारी की भूमि मौजा पूनियों की बस्ती, आदर्श चवा
 तहसील बाड़मेर ग्रामीण के खसरा नम्बर 1182/1096 रकबा 50.
 07 बीघा, खसरा नम्बर 1237/1156 रकबा 05.00 बीघा में आई
 हुई है। जो वक्त सेटलमेन्ट से प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण के
 पूर्वजों के नाम दर्ज हुई है केवल खसरा नम्बर 1095 की भूमि ही
 विप्रार्थीगण के पूर्वज हेमाराम के नाम दर्ज हुई है। प्रार्थीगणों द्वारा
 खातेदारों घोषणा एवं निषेधाज्ञा हेतु राजस्व वाद एवं प्रार्थना पत्र
 पेश किये गये है जिसका निर्णय बाद मेरट पर किया जा सकेगा


 सहायक फलबन्दा
 (फास्ट ट्रेक) बाड़मेर

इसमें कागजाती मय इतिहासगत जज
आवेदन खारिज किया जाता है तो वादों की संख्या में बढ़ोतरी
होगी। लिहाजा प्रकरण के निर्णय तक उभय पक्षों अस्थाई
निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

अतः अस्थाई निषेधाज्ञा वाद के निर्णय तक उभयपक्ष के
विरुद्ध इस आशय की जारी की जाती है कि वो मौजा पूनियों
की बस्ती पटवार हल्का आदर्श चवा तहसील बाड़मेर ग्रामीण के
खसरा नम्बर 1095 रकबा 0.09 बीघा भूमि में मौके व रेकर्ड की
यथा स्थिति बनाये रखें। निर्णय सरे ईजलास में सुनाया गया।
पत्रावली सुमार फैसल होकर दाखिल दफ्तर हो।


सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रैक) बाड़मेर